व्रज गलियन में | By Devi Sangeeta Kishori

राधे राधे.....राधे राधे
राधे राधे.....राधे राधे

राधे नाम के कोई पीला दे मुझे मस्ती के प्याले
मैं झुमू ब्रज गलियन में.....4

ब्रज में मैं तो कुटिया बनाउंगी
यमुना नहा के मैं तो पावन हो जाउंगी
संतो के पद रज मस्तक लगाउंगी
उनके संग मैं तो राधे गुण गाऊँगी
रंग जाऊंगी मैं तो राधे के ही रंग में
मैं झुमू ब्रज गलियन में.....4

राधे राधे.....राधे राधे
राधे राधे.....राधे राधे

पलकों पे राधे को मैं तो बैठाऊंगी
फूलों से श्यामा को सुन्दर सजाऊंगी
उनको जो भाये वही भोग मैं लगाउंगी
नित लाड़ली को मैं तो लाड लड़ाउंगी
बन जाऊंगी उनके कुंजन की दासी मैं
मैं झुमू ब्रज गलियन में.....4

कृपा बरसाने वाली, बरसाने वाली
इनके दीवाने मोरे बांके बिहारी
बिन मांगे सब देने वाली
कभी तो सुध लेगी राधे हमारी
ये ही सोच के मैं आई हूँ राधे के चरणन में
मैं झुमू ब्रज गलियन में.....4

राधे राधे.....राधे राधे
राधे राधे.....राधे राधे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%9c-%e0%a4%97%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-devi-sangeeta-kishori/